"इस कठिन समय में परमेश्वर पर भरोसा रखना"

कोरोना संकट के आशय पर मुख्य प्रेरित ज्यां ल्यूक श्नाइडर के साथ साक्षात्कार

ज्यूरिक। आजकल कोरोना महामारी का विषय सभी के मनों में चल रहा है। प्रतिदिन बुरे समाचार प्रसारित किए जा रहे हैं। न्यू एपॉस्टॉलिक चर्च के मुख्य प्रेरित का इस विषय पर क्या कहना है? वे अपने भाइयों और बहिनों की ओर इस निवेदन के साथ आते हैं कि परमेश्वर पर भरोसा रखें।

मुख्य प्रेरित श्नाइडर, संसार में कोरोना संकट लोगों के लिए स्वांस थामने का कारण बनता जा रहा है। आज दिनांक तक सभी महाद्वीपों में बहुत से लोग इससे संक्रमित हो रहे हैं और यहाँ तक की उनकी मृत्यु हो रही है। क्या आपके पास शांति का कोई सन्देश है?

मैं इस संकट को बहुत गंभीरता से ले रहा हूँ। विश्व स्तरीय रूप से लगभग 11,400 लोगों की अब तब कोरोना वायरस के परिणाम स्वरूप मृत्यु हो चुकी है, और लगभग 2,75,000 लोग अभी संक्रमित बताए गए हैं जो (21 मार्च 2020 के अनुसार वर्तमान अंक हैं, देखिए: https://coronavirus.jhu.edu/map.html)। दुर्भाग्यवश अभी भी इसके और भी अधिक शिकार होंगे। हम संक्रमित लोगों के साथ हैं और उनके लिए प्रार्थना करते हैं। हम उन सभी समर्पित व्यक्ति विशेष लोगों के लिए धन्यवादित हैं जो लोगों की सहायता के लिए प्रथम पंक्ति में हैं। वास्तव में यह देखने में मनोहर है कि कितने लोग इस दशा में दूसरों की सहायता के लिए तैयार हैं।

विशेषकर ऐसे समय में हम अपने सदस्यों से यह सीख सकते हैं जिन्होंने बीते समयों में इस प्रकार की महान विपत्तियों का अनुभव किया था:

- मेरे मूल कार्यक्रमों के अनुसार आने वाले सप्ताह में मुझे इंडोनेशिया में होना था। इस देश में 2500 से भी अधिक लोग दो भूईडोल के कारण अपना जीवन खो चुके हैं। इस द्वीप के निवासियों के लिए इस अदृष्य आपदा से अपने को बचाने का कोई रास्ता नहीं था।

- मैं कभी थोड़ा इस बात के लिए शिकायत करता हूँ कि फ्रांस में कर्फ्यू के परिणामस्वरूप मुझे घर में ही रहना पड़ा। अफ्रीका में सैकड़ों हजार लोग हैं, जिनमें हमारे बहुत से सदस्य भी हैं, जो शरणार्थी शिविरों में रहते हैं, जहाँ वे कम या ज्यादा अवरोधित हैं।

- दुर्भाग्यवश बहुत से स्थानों में कोरोना संकट का आकस्मिक आर्थिक संकटीय परिणाम होगा। और हमेशा की तरह इसका प्रमुख रूप से प्रथम प्रभाव ऐसों पर होगा जिनके पास मुश्किल से प्रथमतः कुछ है। मुझे इस बात की बड़ी चिंता है। यहाँ मैं असहाय हूँ, पर उन 75,000 सदस्यों के विषय सोचता हूँ जो कसयी क्षेत्र से थे (डेमोक्रेटिक रिपब्लिक कांगों) जिन्होंने 2017 में सप्ताह भर के बीच अपना सब कुछ खो दिया और जिन्हें या तो जंगल में या अन्य देशों में पलायन करना पड़ा।

- हाँ, यह सत्य है कि अब हम डिवाइन सर्विस के लिए एकत्रिक नहीं हो सकते हैं। इससे हमें चोट पहुंचती है। फिर भी यहाँ मैं, कुछ सप्ताह पीछे की बातों को सोचता हूँ जब मैं पश्चिमी अफ्रीका में था। वहां मसीहियों को केवल इसलिए मार डाला गया क्योंकि वे डिवाइन सर्विस में थे।

- और मुझे उन भाइयों का भी स्मरण आता है – चाहे वे रशिया के हों या दूर सुदूर पैसिफिक द्वीप के हों, जिन्हें नियमित डिवाइन सर्विस और प्रभुभोज सहित में भाग लेने का अवसर कुछ सप्ताहों में या फिर महीनों बाद प्राप्त होता है।

© New Apostolic Church International

मैं इसे कोरोना संकट को कम आंकने की दृष्टि से नहीं कह रहा हूँ। परन्तु इसके विपरीत, ऐसी परिस्थिति में उन देशों में रहने वाले हमारे भाइयों और बहिनों से कुछ सीखने के लिए सभी का आव्हान करता हूँ। क्यों वे इन सब चुनौतियों के रहते हुए भी इतने मजबूत रहे? क्योंकि वे गहराई के साथ मसीह में जड़ें हैं। प्रभु के प्रति उनका प्रेम उनका रहस्य है। इस कठिन समय हम आज अनुभव करते हैं, इस बात के जानकार होते हैं कि विभिन्न विषय जो कुछ सप्ताह पहले हमारे मनों में थे या हमें चिंतित करते थे वे आज पूर्ण रूप से महत्वहीन हो गए हैं। अब हमारे मनों में जो अति महत्वपूर्ण बातें हैं वह मसीह के साथ अपने संबंधो की सुरक्षा है।

आइए हम परमेश्वर के प्रति अपने प्रेम में सदृढ़ रहें। जो उससे प्रेम करते हैं उनके लिए परमेश्वर सहायता के प्रति विशेष मार्ग निकालता है। परमेश्वर की प्रतिज्ञा बनी रहती है कि जो परमेश्वर से प्रेम करते हैं – चाहे वह कोरोना संकट हो – उनके लिए सब बातें मिलकर भलाई ही को उत्पन्न करती हैं (देखिए रोमियों 8:28)।

आपको इस समय यात्रा के लिए अनुमति नहीं है। तो आगामी दो सप्ताह आपके लिए कैसा दिखाई पड़ता है ?

जो सीमाएं अधिकारीयों द्वारा हमें दी गयी हैं उसके अनुसार मुझे सभी यात्रा कार्यक्रमों को स्थगित करना पड़ा। अभी कोई नहीं जानता कि इसके बाद भी परिस्थितियां कैसी होंगी। सभी के जैसे, मुझे भी परिस्थितियों के अनुसार समायोजन करना पड़ेगा – परन्तु मैं बिना साहस और आशा के नहीं हूँ: मैं जानता हूँ कि परमेश्वर हमारे साथ है, और वह अपनी संतानों का विशेष रीति से कठिन समय में त्याग नहीं करेगा। समान्यतः साहस रखें, ये सब चीजें जाती रहेंगी।

चर्च जीवन में प्रयोगिक रूप से ठहराव आ गया है। डिवाइन सर्विस के लिए संभवतः मुश्किल है। आप हमारे भाइयों और बहनों को क्या सलाह देना चाहते हैं ?

घर में रहें और परिस्थिति अनुसार जो उत्तम हो वह करें। जहाँ संभव है वहां के लिए हमारे डिस्ट्रिक्ट प्रेरितों ने ट्रांसमिशन द्वारा सदस्यों के लिए संभव किया है कि वे डिवाइन सर्विस प्राप्त करें हम नहीं जानते कि ऐसी परिस्थितियों को क्यों परमेश्वर ने अनुमत किया है। परन्तु मुझे निश्चय है कि आत्मिक हानि का यह समय पहले से कहीं ज्यादा इस बात को समझने में हमारी सहायता करेगा कि हमारे लिए डिवाइन सर्विस, सेवकगण, और पवित्र प्रभुभोज कितना अधिक महत्व का है।

ट्रांसमिशन द्वारा संचालित केन्द्रीय डिवाइन सर्विस में पवित्र प्रभुभोज नहीं दिया जाएगा?

यह सही है। इन डिवाइन सर्विसेज का संचालन समान्य पद्वति अनुसार होगा जिनमें पवित्र प्रभुभोज प्रदान नहीं किया जाएगा। यह उचित नहीं होगा कि हमारे कुछ सदस्य पवित्र प्रभुभोज प्राप्त करें, जबकि अन्य दूसरे हजारों सदस्य घरों में बिना प्रभुभोज लिए डिवाइन सर्विस में भाग ले रहें हों।

डिवाइन सर्विस फॉर डिपार्टेड में हमारे अभ्यास के अनुसार, क्या अभी भी संस्कार प्रदान किये जा सकते हैं, जहाँ ऐवजी में दो व्यक्तियों के bfPNr जीवात्माओं के प्रति वेफर प्रदान किया जाता है?

बीते कुछ दिनों में बहुत से भाइयों और बहिनों ने इस विषय पर सलाह दी हैं: अनुष्ठाता दो सेवकों को पवित्र प्रभुभोज प्रदान कर सकता है जो प्रसारण द्वारा जुड़ें हुए सदस्यों के एवज में स्वीकार कर सकतें हैं। पर सावधानी पूर्वक विचार के बाद और यूरोप के जिला प्रेरितों के साथ सुभाव साझा करने के बाद, जो पहले इससे प्रभावित हुए थे, इन सभी बातों के पश्चात मैंने निर्णय लिया कि हम इस सुझाव का अनुसरण नहीं करेंगे।

© New Apostolic Church International

क्यों नहीं ?

पवित्र प्रभुभोज एक संस्कार है, जिसके उद्धार सम्बन्धी प्रभाव का विवरण हमारे कैटकिज़म में है (कैटकिज़म 8.2.20)। हम उपयोगिता के आधार पर साधारण रूप से अपनी वर्तमान आवश्यकता की पूर्ति के लिए इसके प्रदान किए जाने के तरीके में बदलाव नहीं कर सकते हैं। यह प्रेरिताई की जिम्मेदारी का भाग है – विशेष रूप से मुख्य प्रेरित का – कि वह पवित्र प्रभुभोज की पवित्रता को सुरक्षित रखें। जहां तक मृतकों के लिए पवित्र प्रभुभोज दिए जाने का प्रश्न है, हम इस बात के लिए निश्चित हैं कि उद्धार का यह कार्य मृतकों के लिए पूर्ण किया जाना चाहिए, अर्थात किया जा सकता है। ऐसा करने के लिए तरीका यह है कि जीवितों को शामिल किया जाए कि वे अधोलोक की जीवात्माओं का प्रतिनिधित्व कर सकें। परन्तु जीवितों के लिए इसे लागू नहीं किया जा सकता। हम योग्यता से वेफर लेने के द्वारा मसीह के शरीर को खाएं और लहू पीएं, जो प्रतिष्ठित किये जाने के बाद याजकीय सेवक द्वारा प्रदान किया जाता है (न्यू एपॉस्टॉलिक क्रीड का सातंवा विश्वास नियम)।

समय से पूर्व प्रतिष्ठित वेफर उपलब्ध कराने का कोई अन्य तरीका नहीं है?

बहुत वर्षों से हमारे चर्च में हम इस अभ्यास से परिचित हैं: विश्वासी प्रतिष्ठित वेफर प्राप्त करते हैं ताकि वे भी याजकीय सेवक के न रहने पर भी पवित्र प्रभुभोज में भाग ले सकें। उदाहरण के लिए यह तरीका उनके लिए है जो याजकीय देखभाल का पत्र प्राप्त करते हैं। फिर भी इस अभ्यास को अपवाद स्वरूप ही रहने दिया जाना चाहिए। इसे किसी भी रूप में, पुर्णतः वैध तरीका, जो विश्वासियों के बीच पवित्र प्रभुभोज प्रदान किया जाना है से प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता है।

इसे स्पष्ट रूप से कहा जाना चाहिए कि: घर में बैठकर विश्वासी जो पर्दे पर किसी व्यक्ति को अपने बदले में प्रतिष्ठित वेफर लेते देखते हैं, उसका वैसा प्रभाव उद्धार के लिए नहीं होता है जैसे की वास्तविक रूप से पवित्र प्रभुभोज लेने के द्वारा होता है।

इस प्रकार आप सदस्यों के लिए क्या सिफारिश करते हैं?

मैं जानता हूँ कि बहुत से सदस्यों को इस आपदा के अन्त तक बिना पवित्र प्रभुभोज के रहना पड़ेगा। मैं भी उनके दुःख में सहभागी होता हूँ जबकि मैं भी आगामी सूचना तक कर्फ़्यू के परिणाम स्वरूप अपने घर में अवरोधित हूँ। फिर भी, विशेषकर इस निराशा के समय में आइए हम परमेश्वर पर भरोसा रखें। अपना भरोसा परमेश्वर पर रखें – वह जानता है कि कैसे वह अपने प्रेम करने वालों को उनके उद्धार के लिए आवश्यक बातें प्रदान करें।

मुख्य प्रेरित श्नाइडर, इस साक्षात्कार के लिए बहुत–बहुत धन्यवाद।

© New Apostolic Church International